रजिस्ट्री सं० डी० 221 REGISTERED No. D. 221

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 22, 1972/माघ 2, 1893
No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1972/MAGHA 2, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### NOTIFICATION

*New Delhi, the 22nd January* 1972

**No. 3/2/72-Pub.II.**—The President of India learnt with deep regret of the death at 11.00 P.M. on the 18th January 1972 of Dr. Aditya Nath Jha, Lt. Governor of Delhi.

Born on August 18, 1911, Dr. Aditya Nath Jha was educated at Varanasi, Allahabad and Oxford. He topped the list in I.C.S. examination in India in 1934. He spent the probationary period in Oxford and joined the I.C.S. in 1936. He held several important assignments in Uttar Pradesh. He was on deputation to the Foreign and Political Department untill January 1942 when he returned to U.P. to work in the Finance Department and later as Secretary, Agriculture, Flood Relief Commissioner, Development Commissioner and Chief Secretary (1954—58). He was deputed to U.S.A., Berlin and Geneva to attend International Conferences in October-November 1951.

Dr. Jha was the first Vice-Chancellor of the Sanskrit Vishwa Vidyalaya Varanasi and the first Director of the National Academy of Administration, Mussoorie and Director of Training, Government of India (1959—62). Subsequently he worked as Additional Secretary, Planning Commission (1962-63), Secretary, Department of Defence

Production (1963-64), Ministry of Education (1963) and Ministry of Information and Broadcasting (1964—66).

On 1st March 1966, Dr. Jha was appointed as Chief Commissioner, Delhi and later as Lt. Governor with effect from 7th September 1966 in which capacity he served to the very end.

In the death of Dr. Jha, the country has lost an erudite scholar and efficient and experienced administrator. As Lt. Governor, he endeared himself to the people by his sympathetic handling of their problems.

GOVIND NARAIN, Secy.

---

## गृह मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जनवरी 1972

सं० 3/2/72-पब्लिक II.—भारत के राष्ट्रपति को 18 जनवरी, 1972 को रात्री के ग्यारह बजे दिल्ली के उप राज्यपाल, डा० आदित्य नाथ झा के देहावसान का दुखद समाचार प्राप्त हुआ।

डा० आदित्य नाथ झा का जन्म 18 अगस्त, 1911 को हुआ, और उन्होंने वाराणसी, इलाहाबाद और आक्सफ़ोर्ड में शिक्षा प्राप्त की। सन् 1934 में भारत में हुई भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वे परिवीक्षा की अवधि में आक्सफ़ोर्ड मे रहे और सन् 1936 में भारतीय सिविल सेवा में सम्मिलित हुए। उन्होंने उत्तर प्रदेश में अनेक महत्व पूर्ण पदों पर कार्य किया। वे जनवरी, 1942 तक विदेश व राजनीतिक विभाग में प्रतिनियुक्ति पर रहे, और इसके बाद वे उत्तर प्रदेश में गये जहां उन्होंने वित्त विभाग में और बाद में कृषि विभाग के सचिव, बाढ़ सहायता आयुक्त, विकास आयुक्त और मुख्य सचिव (1954–58) के रुप में कार्य किया। वे अक्तूबर, 1951 में अन्तर राष्ट्रीय सम्मेलनों में सम्मिलित होने के लिए संयुक्त राज्य अमरीका बर्लिन और जनेवा भी भेजे गये।

डा० झा संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के सर्वप्रथम उप-कुलपति रहे और वे राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी के प्रथम निदेशक और (सन 1959 से 1962 तक) भारत सरकार के प्रशिक्षण निदेशक रहे। इसके बाद उन्होंने अपर सचिव, योजना आयोग (1962–63), सचिव, रक्षा उत्पादन विभाग (1963–64), शिक्षा मंत्रालय (1963) और सूचना व प्रसारण मंत्रालय (1964–66) के रुप में कार्य किया।

1 मार्च, 1966 को डा० झा दिल्ली के मुख्य आयुक्त के रूप में नियुक्त किये गये। इसके बाद 7 सितम्बर, 1966 से वे दिल्ली के उप-राज्यपाल नियुक्त हुए, जिस पद पर वे अंतिम क्षण तक कार्य करते रहे।

महान विद्वान और कायकुशल तथा अनुभवी प्रशासक डा० झा को मृत्यु ने हमसे छीन लिया है। उन्होंने उप राज्यपाल के रुप में समस्याओं को सहानुभूति पूर्वक हल करते हुए जनता के हृदय में अपने लिए विशेष स्थान बना लिया है।

गोविंद नारायण, सचिव।

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1972